भगती योग ने ग्यान वैरागा,
अरे सिलवार नीर मोई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

अरे पर उपकारी सदा इतकारी,
निसरीया जग रे मोई ए हा,,
दे उपदेश दया कर दाता,
अरे दे उपदेश दया कर दाता,
जन्म मरण मुख दोई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

ए दे अभिमान थे करो अर्पण,
रजु मात्रणा होई ए हा,
अरे समदृष्टी सराखो देखे,
समदृष्टी सराखो देखे,
ए क्या फिकर क्या होई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

ए परनिन्दीया स्तुति दोनो,
अमे हरक सोकना होई ए हा,
दिनदयाल दयारो सागर,
अरे दिनदयाल दयारो सागर,
अरे जुपारो धोई रे मन रे,
भक्ति योग ने ग्यान वैरागा,

अरे सिलवार नीर मोई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

ए केवे कबीर संतों कोई मिलना,
अरे लागे जग रे माई ए हा,
पारस भवर सदन सतसंगत,
पारस भवर सदन सतसंगत,
अरे एडा करले मोई रे मन रे,
भगती योग ने ग्यान वैरागा,
अरे सिलवार नीर मोई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

भक्ति योग ने ग्यान वैरागा,
अरे सिलवार नीर मोई रे मन रे,
एडा सतगुरु जोई ए हा।।

स्वर शंकर टाक जी,
प्रेषक मनीष सीरवी
9640557818

Source: https://www.bharattemples.com/bhakti-yog-ne-gyan-vairaga/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw